समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

कन्नूर निगम ने केरल मे पेश किया पहला वॉटर बजट, जल संरक्षण और स्मार्ट वाटर मैनेजमेटं पर जोर

Sanket Morankar
Published on 24 Sep 2025

कन्नूर, केरल : केरल के कन्नूर नगर निगम ने राज्य में पहली बार **वॉटर बजट** पेश किया है। यह पहल शहर के जल संसाधनों के सतत प्रबंधन और स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह बजट जल संरक्षण, जल वितरण प्रणाली की पारदर्शिता और नागरिकों की भागीदारी पर विशेष ध्यान देता है।

नगर निगम की मेयर ने कहा कि कन्नूर में बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिक गतिविधियों के कारण पानी की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एक संरचित और पारदर्शी वॉटर बजट की आवश्यकता महसूस की गई। उन्होंने कहा, "यह बजट न केवल वर्तमान जल प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मदद करेगा।"

बजट के प्रमुख बिंदुओं में **स्मार्ट मीटरिंग सिस्टम**, **जल रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग प्रोत्साहन**, **सार्वजनिक जागरूकता अभियान**, और **सतत जल आपूर्ति योजना** शामिल हैं। स्मार्ट मीटरिंग सिस्टम से उपभोक्ताओं की पानी की खपत का सही रिकॉर्ड रखा जाएगा, जिससे पानी की बर्बादी कम होगी और बिलिंग प्रक्रिया पारदर्शी होगी।

नगर निगम ने बजट में बताया कि अगले वित्त वर्ष में विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें पुरानी पाइपलाइन को बदलना, जल टैंकों का रखरखाव, और वर्षा जल संचयन के लिए नई योजनाओं को लागू करना शामिल है।

सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए निगम ने एक **ऑनलाइन पोर्टल** लॉन्च किया है, जहां नागरिक अपने जल उपयोग की जानकारी देख सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं और शिकायत दर्ज कर सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम शहर में पानी के सतत प्रबंधन के लिए लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, कन्नूर निगम का यह कदम पूरे राज्य के लिए उदाहरण बन सकता है। जल संकट के बढ़ते खतरे के समय, शहरों और नगरपालिकाओं द्वारा **वॉटर बजट** लागू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पानी की बर्बादी भी कम होगी और नागरिकों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि बजट में आपातकालीन जल आपूर्ति योजनाओं को शामिल किया गया है। यह योजनाएं विशेष रूप से सूखा या बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान शहर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी।

साथ ही, बजट में जल उपयोग की **समान वितरण नीति** भी शामिल है, जिससे शहर के हर हिस्से को पर्याप्त और नियमित पानी मिल सके। निगम ने यह भी कहा कि छोटे उद्योगों और आवासीय क्षेत्रों में जल बचत प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी, जिससे पानी की खपत नियंत्रित रहे।

कन्नूर नगर निगम के इस पहल के बाद राज्य के अन्य नगर निगमों और शहरों में भी ऐसे कदम उठाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट और बजट आधारित योजनाएं शहरों को लंबे समय तक जल सुरक्षा प्रदान करने में मदद करेंगी।

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस बजट का उद्देश्य केवल पानी की आपूर्ति नहीं बल्कि **शहर मे पंर्यावरण संरक्षण और सतत विकास** को बढ़ावा देना भी है। बजट के जरिए निगम ने यह स्पष्ट किया कि जल प्रबंधन केवल प्रशासन का काम नहीं, बल्कि नागरिकों के सहयोग और सहभागिता से ही सफल हो सकता है।

कुल मिलाकर, कन्नूर निगम का वॉटर बजट शहर के जल संसाधनों के प्रबंधन में एक नई दिशा देने वाला कदम है। यह पहल न केवल जल संरक्षण में सहायक होगी बल्कि नागरिकों में जल सुरक्षा के महत्व को भी बढ़ावा देगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.